www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

Language Code : **04**

इस पुस्तिका में **20** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **20** Printed pages.

SAS-24-I

प्रश्न-पत्र-I / PAPER-I

बंगाली भाषा परिशिष्ट

Bengali Language Supplement

भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code

L

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 19 & 20) of this Test Booklet.

बंगाली में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN BENGALI SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **बंगाली** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **L**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (बंगाली) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (बंगाली) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगाली भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगाली के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **BENGALI** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **L**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Bengali) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Bengali) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :

Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

Language Code : **04**

SAS-24-I

প্রশ্ন পত্র-I
বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট
ভাগ-IV & V

মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা কোড

L

বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা সমন্বিত

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠা 19 এবং 20) মুদ্রিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন।

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ :

1. যে সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** ভাষায় ভাগ IV (ভাষা I) (Part IV, Language I) **অথবা** ভাগ V (ভাষা II) (Part V, Language II) **-এর কিন্তু দুটিরই নয়** - উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
2. পরীক্ষার্থীরা ভাগ I, II, III এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ IV এবং V এর উত্তর তাদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
3. ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার ভাগ IV এবং ভাগ V এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা-পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
4. এই পৃষ্ঠার বিবরণগুলি লেখার জন্য এবং উত্তর পত্রে উত্তর চিহ্নিত করণের জন্য **কেবলমাত্র নীল/কালো বল্ পয়েন্ট পেনই** ব্যবহার করতে হবে।
5. বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **L**. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর পত্রের দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা নিরীক্ষক (Invigilator) এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
6. এই পরীক্ষা পুস্তিকাটি IV এবং V - এই দুই ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে 60টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective Type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :
   ভাগ IV : ভাষা I (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 91 থেকে 120)
   ভাগ V : ভাষা II (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 121 থেকে 150)
7. **ভাগ IV এ ভাষা I এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন এবং ভাগ V এ ভাষা II এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন। যদি ভাষা I এবং/অথবা ভাষা II এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয় - তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।**
8. **পরীক্ষার্থীদের ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে - যা তার ভাষা I (ভাগ IV) এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা। অর্থাৎ ভাষা I (ভাগ IV) এবং ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।**
9. পরীক্ষা পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (rough work) -এর জন্য নির্দিষ্ট খালি-জায়গার মধ্যেই rough work করতে হবে।
10. সব উত্তর (OMR) উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিত করণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে।

পরীক্ষার্থীর নাম (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : ____________________

: (অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষা কেন্দ্র (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : ____________________ পরীক্ষা নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : ____________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)** - এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **BANGLA** as **Language-I** only.

PART-IV
LANGUAGE-I
BENGALI

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)**-এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ ঃ নিচে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (91 থেকে 99 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

পুণ্যাহ তৎকালীন বঙ্গীয় অঞ্চলে জমিদারি ও নবাবী শাসনকালীন সময়ে রাজস্ব আদায়ের জন্যে বাৎসরিক একটি বন্দোবস্ত ও উৎসবের নাম। উনিশ শতকের মাঝামাঝি সময়ে পুণ্যাহ উৎসব বাংলা নববর্ষের সমার্থক হিসেবে প্রতি বছর বাংলা বছরের প্রথম দিন অর্থাৎ বৈশাখ মাসের ১ লা তারিখে পালন হতো।

বর্তমানে এটি একটি বিলুপ্ত ও ইতিহাসে নামসর্বস্ব উৎসব হিসেবে পরিচিত। এই উৎসবটি বিলুপ্ত হলেও এটার আঙ্গিকে এখনও হালখাতা নামে একটি অনুষ্ঠান করা হয়। সেখানে উৎসবের আমেজ না থাকলেও আনুষ্ঠানিকতা থাকে বেশ। পুণ্যাহ ছিল রাজস্ব আদায় এবং বন্দোবস্ত সংক্রান্ত বিষয়ের প্রাক-ব্রিটিশ সময়ের একটি পদ্ধতি। যে ব্যবস্থায় সরকার কর্তৃক সকল জমিদার, তালুকদার, ইজারাদার এবং অন্যান্য রাজস্ব প্রদানকারী ব্যক্তিদের বছরের নির্দিষ্ট দিনে একটি অনুষ্ঠানের আমন্ত্রণের মাধ্যমে পূর্ববর্তী বছরের রাজস্ব আদায় এবং নতুন বছরের বন্দোবস্ত প্রদানের ব্যবস্থা গ্রহণ করা হতো। চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত বিলোপ সাধনের পাশাপাশি পুণ্যাহ উৎসবের বিলুপ্তি ঘটে।

এই পুণ্যাহ উৎসবের দিনে উপস্থিত বিরাট প্রজামণ্ডলীকে উদ্দেশ্য করে রবীন্দ্রনাথ বলেছিলেন -'এই মিলন উৎসবে পরস্পরে ভেদ সৃষ্টি করে মধুর সম্পর্ক নষ্ট করে দেওয়া চলবে না। প্রিয় প্রজারা, তোমরা সব পৃথক আসন, পৃথক ব্যবস্থা - সব সরিয়ে দিয়ে, একসঙ্গে বসো। আমিও বসব। আমি তোমাদেরই লোক।'

সেদিন অপমানিত নায়েব গোমস্তার দল সবিস্ময়ে ঘুরে দাঁড়িয়ে দেখেছিলেন, রবীন্দ্রনাথের আহ্বানে হিন্দু-মুসলমান প্রজারা প্রকাণ্ড হলঘরের সব চাদর সব চেয়ার নিজেরাই সরিয়ে দিয়ে ঢালাফরাসের উপর বসে পড়ল। মাঝখানে বসলেন রবীন্দ্রনাথ। সে এক অপরূপ দিব্যমূর্তি। প্রজারা মুগ্ধ হয়ে দেখল তাদের বাবুমশাইকে।

হ্যাঁ, এই রবীন্দ্রনাথ অন্য রবীন্দ্রনাথ। যিনি অক্সফোর্ডে 'রিলিজিয়ন অফ ম্যান' নিয়ে বক্তৃতা দিয়েছেন, তিনিই পদ্মার চরে আলু চাষে মগ্ন হয়েছেন। যিনি হিজলী হত্যাকাণ্ডের প্রতিবাদে জ্বালাময়ী ভাষণ দিয়েছেন, তিনিই কুষ্ঠিয়ায় আখের কল খুলেছেন। যিনি বার্নাড় শ ও রম্যাঁ রল্যাঁর সঙ্গে নিভৃত আলোচনা করেছেন সত্যসুন্দর নিয়ে, তিনিই কফিলুদ্দিন আহমেদ বা জালাউদ্দিন শেখের সঙ্গে ধান খেতে পোকা মারার পদ্ধতি নিয়ে ঘণ্টার পর ঘণ্টা ব্যয় করেছেন। যিনি শালবীথিতে হাঁটতে হাঁটতে গুনগুন সঙ্গীত রচনায় বা শ্যামলীর বারান্দায় কবিতা সৃষ্টিতে মগ্ন, কিংবা মন্দিরে উপাসনার আচার্য, তিনিই চাষিদের প্রভিডেন্ট ফান্ড কৃষিব্যাঙ্ক তৌজি, আদায় তহসিল মামলা মোকদ্দমা নিয়ে ব্যতিব্যস্ত। যিনি গেয়েছেন 'আমার সকল দুঃখের প্রদীপ জ্বেলে দিবস গেলে করব নিবেদন', তিনিই বলেছেন, 'অন্ন চাই প্রাণ চাই আলো চাই, চাই মুক্ত বায়ু, চাই বল, চাই স্বাস্থ্য, আনন্দ-উজ্জ্বল পরমায়ু।' এই অনন্য চরিত্র নিয়ে তথ্য সংগ্রহ করতে গিয়ে তাই বার বার মনে হয়েছে - কবি নয়, সঙ্গীতজ্ঞ নয়, দার্শনিক নয়, যেন একজন হৃদয়বান কর্মযোগী হওয়ার জন্যেই রবীন্দ্রনাথ জন্মগ্রহণ করেছিলেন, আর সাহিত্য সঙ্গীত ইত্যাদি জমিদারি পরিচালনার ফাঁকে উপজাত সৃষ্টি।

রবীন্দ্রনাথ যখন জমিদারির দায়িত্বভার পেলেন তখন তাঁর বয়স ত্রিশের নীচে। মাসোহারার ওই সাতানব্বই হাজার চার শত টাকার দায়িত্ব তো ঘাড়ে রইলই, তাছাড়া দেখাশুনার ভার নিলেন আরও দুটো জমিদারির।

তারপর ১৮৯০ থেকে ১৯২২ প্রত্যক্ষভাবে জমিদারি পরিচালনার কাজে যুক্ত থেকে জমিদারি যে কী জিনিস এবং জমিদারি বস্তুটা কী সে সম্পর্কে অবশ্য তাঁর মনে অস্পষ্টতা ছিল না। প্রমথ চৌধুরীর 'রায়তের কথা' বইয়ের ভূমিকায় তিনি বলেছেন : 'আমার জন্মগত পেশা জমিদারি, কিন্তু আমার স্বভাবগত পেশা আসমানদারি। এই কারণেই জমিদারির জমি আঁকড়ে থাকতে আমার অন্তরের প্রবৃত্তি নেই। এই জিনিসটার পরে আমার শ্রদ্ধার একান্ত অভাব। আমি জানি জমিদার জমির জোক; সে প্যারাসাইট, পরাশ্রিত জীব। আমরা পরিশ্রম না করে, উপার্জন না করে, কোনও যথার্থ দায়িত্ব গ্রহণ না করে ঐশ্বর্যভোগের দ্বারা দেহকে অপটু ও চিত্তকে অলস করে তুলি। যারা বীর্যের দ্বারা বিলাসের অধিকার লাভ করে আমরা সে জাতির মানুষ নই।

91. নিজে পেশায় জমিদার হলেও এদেশের জমিদারদের প্রতি রবীন্দ্রনাথের বিরূপতা প্রকাশ পেয়েছে। কারণ তাঁর মতে এদেশের জমিদাররা -

(1) পরাশ্রিত, অলস
(2) সঙ্গীত প্রিয়, প্রজাবিরোধী
(3) অর্থলোলুপ, প্রজাশোষক
(4) কবিতাপ্রেমী, অলস

92. এখানে রবীন্দ্রনাথের কীরূপ মানসিকতার প্রকাশ ঘটেছে ?

(1) বিদেশ প্রীতিসম্পন্ন
(2) ব্যবসায়ী দৃষ্টিভঙ্গীসম্পন্ন
(3) শিল্পী মনোভাবাপন্ন
(4) উদার, কর্মী মনোভাবাপন্ন

93. "কিন্তু আমার স্বভাবগত পেশা আসমানদারি"
'আসমানদারি' বলতে কী বোঝায় ?

(1) কল্প জগতে বিচরণ করা।
(2) আকাশে উড়তে পারা।
(3) আকাশ নিয়ে গবেষণা করা।
(4) বস্তু জগতে বিচরণ করা।

94. "অন্ন চাই, প্রাণ চাই, আলো চাই, চাই মুক্ত বায়ু, চাই বল, চাই স্বাস্থ্য, আনন্দ-উজ্জ্বল পরমায়ু"
বিবৃতিটিতে বিশেষ্যের সংখ্যা কয়টি ?

(1) আট
(2) পাঁচ
(3) ছয়
(4) সাত

95. প্রাচীন কাল থেকে বঙ্গ সমাজে ১ লা বৈশাখের দিন বিভিন্ন নামে উৎসব পালিত হয়। সেগুলো কী কী ?

(1) নববর্ষ, রাজস্ব আদায়, চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত
(2) রাজস্ব আদায়, হালখাতা, পূণ্যাহ
(3) হালখাতা, পূণ্যাহ, নববর্ষ
(4) পূণ্যাহ, নববর্ষ, চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত

96. আলোচ্য গদ্যাংশটির মূল বিষয় কী ?

(1) মানবপ্রেমী রবীন্দ্রনাথ
(2) কবি রবীন্দ্রনাথ
(3) দার্শনিক রবীন্দ্রনাথ
(4) সঙ্গীতজ্ঞ রবীন্দ্রনাথ

97. "যিনি অক্সফোর্ড 'রিলিজিয়ন অফ ম্যান' নিয়ে বক্তৃতা দিয়েছেন, তিনিই পদ্মার চরে আলু চাষে মগ্ন হয়েছেন।" - কোন শ্রেণীর বাক্য ?

(1) মিশ্র
(2) সরল
(3) জটিল
(4) যৌগিক

98. "জমিদারি বস্তুটা কী সে সম্পর্কে তার মনে অস্পষ্টতা ছিল না" - অর্থ অবিকৃত রেখে বাক্যটিকে অস্ত্যর্থক নির্দেশক বাক্যে রূপান্তরিত করলে সঠিক রূপটি হবে -

(1) জমিদারি বস্তুটা কী সে সম্পর্কে তার মনে স্পষ্টতা বিশেষ ছিল না।
(2) জমিদারি বস্তুটা কী সে সম্পর্কে তার মনে স্পষ্টতা ছিল।
(3) জমিদারি বস্তুটা কী সে সম্পর্কে তার মনে স্পষ্টতা ছিল না।
(4) জমিদারি বস্তুটা কী সে সম্পর্কে তার মনে অস্পষ্টতা ছিল।

99. "আমি তোমাদেরই লোক" - রবীন্দ্রনাথের এই উক্তিতে তোমাদের বলতে কাদের কথা তিনি বলেছেন ?

(1) কেবল মুসলমান প্রজাদের কথা।

(2) জাতি ধর্ম নির্বিশেষে প্রজামণ্ডলীর কথা।

(3) জাতি ধর্ম নির্বিশেষে নায়েব, গোমস্তাদের কথা।

(4) কেবল হিন্দু প্রজাদের কথা।

নির্দেশ ঃ নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (100 থেকে 105 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

লম্বা এবং চওড়া ছিল বাংলা নামে দেশ
এক কলমের খোঁচায় কেটে দুই টুকরোয় শেষ।
কোথায় গেল ঢাকা শহর কোথায় বরিশাল,
পদ্মা এবং মেঘনা গেল রূপসা আড়িয়াল।
কাটাকুটি চলল অনেক সব কিছু খান খান,
স্বাধীনতার নামে কাটি নিজের নাক ও কান।
দু কান কেটে হই নি খুশি আবার কাটার ঝোঁক,
যা পেয়েছি তাকে কাটেন মনে অনেক লোক
ওপর দিকে আছে তরাই নীচে সোঁদর বন,
উত্তর আর দক্ষিণেতে ফারাক করার পণ।
দক্ষিণকেই পশ্চিম কই ওটা উত্তর বং,
অনেক দূরের শহর যেন মালদা কালিম্পং।
কোচবিহার আর শিলিগুড়ি ডুয়ার্স বালুরঘাট,
উপেক্ষিতার অভিমানে কেঁদে ভাসায় মাঠ।
দূরকে আরও নিকট টেনে না যদি নিই, পরে
কলকাতাটাই বাংলা হয়ে রইবে কেবল পড়ে।

100. 'উপেক্ষিতা' - এর বিশেষ্য রূপ কী ?

(1) উপেক্ষা (2) উপেক্ষিত (3) উপেক্ষক (4) উপেক্ষণীয়

101. স্বাধীনতার নামে, ক্ষমতার লোভে এই যে ভাগাভাগি, কাটাকাটি - এর পরিণতি হিসেবে কবি কী আশংকা করেছেন ? শেষ পর্যন্ত -

(1) বাংলা বলতে পশ্চিমবঙ্গ ও বাংলাদেশ উভয়কেই বোঝানো হবে।

(2) বাংলা বলতে শুধু কলকাতা শহরকেই বোঝানো হবে।

(3) বাংলা বলতে শুধু তরাই আর সুন্দরবনের জঙ্গলকে বোঝানো হবে।

(4) বাংলা বলতে শুধু উত্তরবঙ্গের শহরগুলিকে বোঝানো হবে।

102. কবিতার মূল বিষয় কী ?

(1) বিষন্নতাজনিত বিভাজন বোধ (2) বাংলাদেশের প্রকৃতি বর্ণনা

(3) বাংলাদেশের স্মৃতিচারণা (4) বিভাজনজনিত বিষন্নতা বোধ

103. 'স্বাধীনতা' শব্দটি কোন সন্ধির উদাহরণ ?

(1) নিপাতনে সিদ্ধ ব্যঞ্জন সন্ধি
(2) স্বরসন্ধি
(3) ব্যঞ্জন সন্ধি
(4) বিসর্গ সন্ধি

104. বাংলাকে দুটি ভাগে ভাগ করার পরেও আমরা কীসের ভাগে মেতে উঠেছি ?

(1) উত্তর বঙ্গের শহরগুলিকে
(2) পশ্চিমবঙ্গের নদীগুলির
(3) পশ্চিমবঙ্গ রাজ্যটিকে
(4) উত্তর বঙ্গের জঙ্গলগুলিকে

105. "দক্ষিণকেই পশ্চিম কই ওটা উত্তর বং" - পঙক্তিটির অর্থ কী ?

(1) পশ্চিমবঙ্গ বলতে আমরা দক্ষিণবঙ্গকেই বুঝি, উত্তরবঙ্গের অস্তিত্ব আমাদের কাছে সম্পূর্ণ স্বতন্ত্র বলে মনে হয়।
(2) পশ্চিমবঙ্গ বলতে আমরা উত্তর-দক্ষিণ দুটোকেই বুঝি।
(3) দক্ষিণবঙ্গ বলতে আমরা পশ্চিম-উত্তর দুটোকেই বুঝি।
(4) উত্তরবঙ্গকেই আমরা পশ্চিমবঙ্গ বলি, দক্ষিণবঙ্গকে আমরা স্বতন্ত্রভাবে দেখি।

নির্দেশ ঃ নীচের প্রশ্নগুলির (106 থেকে 120 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তরটি নির্বাচন করুন।

106. কার্যকরী ব্যাকরণ শিক্ষণ সম্পর্কে নিচের কোনটি সত্য নয় ?

(1) নিয়মগুলি মুখস্থ করে ব্যাকরণ শিখন।
(2) প্রকৃত সংযোগসাধনের পরিবেশন।
(3) ব্যাকরণের নিয়মগুলির সঠিক উদ্‌ঘাটন।
(4) সংযোগসাধনে অনুশীলন প্রদান।

107. প্রদত্ত বাক্যটির পরিপ্রেক্ষিতে নিচের কোনটি ঠিক নয় ?

ছড়া, গান, মন্ত্রপাঠ শিশুদের ___________।

(1) অভিব্যক্তির প্রকাশ এবং বাক্যের ছন্দের বিকাশমূলক পন্থা
(2) শব্দ তালিকা বিস্তারের পন্থা
(3) শব্দ মুখস্ত এবং বাক্য গঠনের পন্থা
(4) উচ্চারণ অভ্যাসের পন্থা

108. তৃতীয় শ্রেণীর একজন শিক্ষক তাঁর শিক্ষার্থীদের 'পার' শব্দটি ব্যবহারের যোগ্যতা প্রদর্শন করে তাদের সঙ্গীদের পাঁচটি করে প্রশ্ন করার নির্দেশ দিলেন। উদাহরণ - তুমি কী সাঁতার কাটতে পার ?

এই ধরণের প্রক্রিয়ার উদ্দেশ্য -

(1) নিষ্ক্রিয় শ্রবণ
(2) মৌখিক সাবলীলতা অনুশীলন
(3) নিয়ন্ত্রিত মৌখিক অনুশীলন
(4) মুক্ত বাচন ক্রিয়া

Prepp
Your Personal Exams Guide

109. প্রাথমিক স্তরে লাইব্রেরি ব্যবহার সম্পর্কে নিচের কোনটি ঠিক নয় ?
লাইব্রেরি কখনও বই সংগ্রহের স্থান হিসেবে দেখা উচিত নয়, বরং -
(1) লাইব্রেরিতে পাঠ্যপুস্তকের সরব-পাঠ সর্বশ্রেষ্ঠ কাজ হতে পারে।
(2) শিশু সাহিত্যের বিভিন্ন দিকে শিক্ষার্থীকে উন্মোচিত করা যেতে পারে।
(3) বই নিয়ে ব্যস্ত থাকার জন্য একটি সক্রিয় পরিবেশ হিসেবে।
(4) লাইব্রেরিতে শিক্ষকরা এবং বয়স্করা পঠন আচরণের আদর্শ হতে পারেন।

110. সাক্ষরতা শিক্ষণ আবেদন (Literacy Teaching Approach) যেটি বর্ণ ও ধ্বনির সম্পর্কের উপর জোর দেয় সেটি হল -
(1) ধ্বনিবিদ্যামূলক নির্দেশ (2) সামগ্রিক ভাষা আবেদন
(3) ব্যাকরণ অনুবাদ (4) পরিস্থিতিমূলক আবেদন

111. কোন পদ্ধতিটি বাস্তব জীবনের পরিপ্রেক্ষিতে শিক্ষার্থীর ভাষা ব্যবহারের প্রধান উদ্দেশ্যের উপযোগী পরিবেশ সৃষ্টি করে ?
(1) শ্রাব্য-ভাষাতাত্ত্বিক পদ্ধতি (2) সহজাত আবেদন
(3) সংযোগকারী আবেদন (4) প্রত্যক্ষ পদ্ধতি

112. কোন আবেদন/পদ্ধতিটি একটি ভাষা শ্রেণীতে আঞ্চলিক ভাষা ব্যবহারে শিক্ষার্থীদের উৎসাহিত করে না ?
(1) শ্রাব্য-ভাষাতাত্ত্বিক পদ্ধতি (2) সহজাত আবেদন
(3) সংযোগসাধনকারী আবেদন (4) প্রত্যক্ষ পদ্ধতি

113. নিচের কোনটি প্রাথমিক স্তরে পাঠ্যবইয়ের পরিকল্পনার আদর্শ নয় ?
(1) প্রযুক্তিগত আদর্শ (Technology Principle)
(2) পাঠক্রমমূলক আদর্শ (Curriculum Principle)
(3) উপস্থাপনামূলক আদর্শ (Presentation Principle)
(4) বাস্তব আদর্শ (Concrete Principle)

114. সর্বার্থসাধক, অভ্যর্থনামূলক এবং আনন্দপূর্ণ পরিবেশ সৃষ্টি করতে, যেটি জাতীয় পাঠ্যক্রম নীতির (National Curriculum Framework-NCF) রূপরেখা অনুযায়ী দক্ষতা অর্জনে প্রতিটি শিশুর অংশগ্রহণকে সমর্থন করে, সেটি সর্বশ্রেষ্ঠ হতে পারে -
(1) রঙীন পরিবেশ সৃষ্টির জন্য শ্রেণীকক্ষ সুসজ্জিতকরণ।
(2) ঝলসানো গরমে বাইরের কাজকর্মকে উপেক্ষা করার জন্য গৃহাভ্যন্তরীণ কার্য প্রক্রিয়ার আয়োজন করা।
(3) শিক্ষার্থীর সুস্বাস্থ্য এবং ভালো হওয়ার উপর প্রধানতঃ গুরুত্ব দেওয়া।
(4) বিকাশের বিভিন্ন ক্ষেত্র থেকে শিশুদের কাজগুলি প্রদর্শন করা।

115. গঠনমূলক স্তরে শিশুরা শিখনে অনেক বেশি ব্যস্ত থাকে যখন তারা -
(1) সুক্ষ্ম স্নায়বিক দক্ষতার বিকাশ সাধনই একমাত্র লক্ষ্য থাকে।
(2) শিক্ষিকার সাথে ছড়া গায়।
(3) ভিন্ন ভিন্ন অনুভূতির প্রয়োগ করে এবং সক্রিয়ভাবে হাতের ব্যবহার করে।
(4) তারা তাদের খাতায় অক্ষরগুলি নকল করে অথবা লেখে।

116. পঞ্চম শ্রেণীর একটি ছাত্র বলল, "আমি আমার কাজটি নির্ভুল হওয়ার জন্য শিক্ষকের কাছে জমা করার আগে চূড়ান্ত বিচার করলাম।"

শিক্ষার্থী লিখনের কোন স্তরে এই কাজটি করছে ?

(1) সহপাঠী মূল্যায়ন (Peer-evaluation) (2) খসড়া নির্মাণ (Drafting)

(3) পুনঃ খসড়া নির্মাণ (Re drafting) (4) প্রুফ রিডিং (Proof reading)

117. সাক্ষরতা অর্জনে নিচের কোনটি প্রধান ভূমিকায় থাকবে ?

(1) সঠিকতা এবং ধ্বনিভিত্তিক পরীক্ষণ।

(2) ধ্বনিতাত্ত্বিক সচেতনতা এবং সাবলীলতা।

(3) দৃশ্য শব্দ তালিকা এবং বিন্যাস স্বীকৃতিকরণ।

(4) পাঠোদ্ধার এবং ভাষা পরীক্ষণ।

118. একজন শিক্ষক তাঁর দ্বিতীয় শ্রেণীর শিক্ষার্থীদের জন্য বিভিন্ন ধরণের শিক্ষণ-শিখন উপাদান (TLM) সংগ্রহের পরিকল্পনা করলেন। নিচের কোনটি শিক্ষণ-শিখন উপাদান নির্বাচনের সঠিক পন্থা নয় ?

(1) নির্বাচিত উপাদানগুলি কেবল শিশুদের দ্বারাই তৈরী হতে হবে এবং পিচ্ছিলতা এড়োনোর জন্য অমসৃণ হবে।

(2) নির্বাচিত উপাদানগুলি অবশ্যই সেই আয়ু সীমার শিশুদের জন্য আকর্যনীয় ও নিরাপদ হবে।

(3) নির্বাচিত উপাদানগুলি অবশ্যই আগ্রহ সহকারে আবিষ্কার ও অনুসন্ধান করতে শিশুদের পর্যাপ্ত সুবিধা প্রদান করবে।

(4) নির্বাচিত উপাদানগুলি প্রধানতঃ সেই স্থানেই বানানো এবং সেখানে সহজলভ্য হবে, যা সহজেই পাল্টানো সম্ভব।

119. তৃতীয় স্তরের একজন শিক্ষিকা তাঁর শ্রেণীতে একটি পঠন -কোন তৈরি করার ইচ্ছা প্রকাশ করেন। একটি শিশু সাহিত্য নির্বাচনের জনিত বিচারের ক্ষেত্রে, সর্বাপেক্ষা গুরুত্বপূর্ণ প্রশ্ন কোনটি যেটি সর্বপ্রথম বিবেচিত হবে ?

(1) একাধিক নির্দেশমূলক প্রসঙ্গে এই বইগুলি কী ব্যবহারের উপযুক্ত হবে ?

(2) এই বইগুলির লেখকরা কী শিশু সাহিত্যের সুপরিচিত, শ্রদ্ধেয় লেখক ?

(3) বইগুলি কী শ্রেণীর অধিকাংশ শিক্ষার্থীদের ব্যক্তিগত পঠন স্তরের উপযোগী করে লেখা ?

(4) তৃতীয় স্তরের পঠন পাঠক্রমের উদ্দেশ্যগুলি বোঝাতে এই বইগুলি কী সাহায্য করবে ?

120. একজন শিক্ষক শিক্ষার্থীদের তাদের কার্য পুস্তিকা (Workbooks) অদল-বদল করতে এবং সঙ্গীদের কাজ চেক করতে বললেন। এই কাজের উদ্দেশ্য হল -

(1) সহপাঠী সংশোধন কার্য দক্ষতার বিকাশ সাধন

(2) বিস্তৃত পাঠে অনুশীলন প্রদান

(3) নুতন শব্দ তালিকা ব্যবহারে অনুশীলন প্রদান

(4) গঠনগুলির নিয়ন্ত্রিত অনুশীলন প্রদান

prepp
Your Personal Exams Guide

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)** - এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **BANGLA** as **Language-II** only.

PART-V
LANGUAGE-II
BENGALI

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)** এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ ঃ নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (121 থেকে 128 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

ছেলেবেলায় ঠাকুমারা কামরূপের ডাইনিদের গল্প শোনাতেন। ডাইনিরা নাকি পুরুষদের কিংবা ছোটো ছোটো ছেলেদের মন্ত্রের প্রভাবে ভেড়া বানিয়ে রাখতো। কখনও বা ডাইনিমায়ায় পুরুষদের মগজ ধোলাই হয়ে যেতো এবং ডাইনীর একান্ত অনুগত হয়ে থাকতো। বড়ো হয়ে আরব্য উপন্যাসেও অনুরূপ গল্প অনেক পড়েছি। যাদুকরীরা যাদুর প্রভাবে রাজপুত্তুরদের, ভেড়া, ছাগল, কুকুর ইত্যাদিতে পরিণত করতো এবং নিজের খোঁয়াড়ে পুরে রাখতো। এসবই পিলে চমকানো আজগুবি গল্প মাত্র। তবু আজও সমান কদর।

বাস্তবে মানুষের রাজ্যে এমনটি ঘটে না। কোনো জাদুদণ্ড কিংবা কোনো বিদ্যার প্রভাবে কয়েক গণ্ডা বা কয়েক শ পুরুষকে কোনো মেয়ে খোঁয়াড়ে পুরে আজ্ঞাবাহী করে রাখতে পারে না। যদিও নারীর দ্বারা পুরুষ এবং পুরুষের দ্বারা নিগৃহীত নারী মানবসমাজে বিরল নয়। তাই বলে জাদুদণ্ড বা মন্ত্রতন্ত্র - এ সব একেবারে গাঁজাখুরি কথা।

মানব সমাজে যা অসম্ভব, অবাস্তব, অবিশ্বাস্য বা অতিরঞ্জন বলে মনে হয় তার কিছু কিছু নমুনা মনুষ্যেতর প্রাণীদের মধ্যে লক্ষ্য করা গেছে। পুরুষের মগজ ধোলাই করে নিজের কামনা চরিতার্থ করা এবং সন্তান পালনের ভার পুরুষের উপর চাপিয়ে পালিয়ে যাওয়া জলের ও ডাঙার বহু প্রাণীর মধ্যে দেখা যায়। স্ত্রী মাকড়সা তো সন্তান সম্ভবা হলেই পুরুষটাকে খেয়েই ফেলে। কয়েক প্রজাতির ব্যাঙ, সী হর্স এমনকী সম্রাজ্ঞী পেঙ্গুইনরাও কম যায় না। সাগরের আলো-আঁধারি অঞ্চলের বাসিন্দা স্ত্রী অ্যাংলাররা নিজের বুকের তলায় ঝুলিয়ে রাখে তাদের তুলনায় নিতান্ত ছোটো কয়েকটা পুরুষকে। স্ত্রী অ্যাংলারটা মারা গেলে পুরুষগুলোকেও মরতে হয়। জানি না, সেকালের উদ্ভট উদ্ভট গল্পের রচয়িতারা এই সব প্রাণীর হদিস পেয়েছিলেন কিনা ? এখানে তেমনই এক জাদুকরির কথায় আসছি - যার নাম 'সাগর সেজ'। ইংরেজি নাম 'বোনেলিয়া'। ওদেরই নাম দেওয়া হয়েছে সাগরের দীপ ও দীপাধার। দীপাধারের মাথায় জোড়া প্রদীপ যেন। এদের রাজ্যে পুরুষ নেই। একেবারে কচি কাঁচাদের উদরস্থ করে এবং তাঁদের পেটের ভেতরে রেখে পুরুষ বানিয়ে ফেলে। কয়েকটা বা কয়েক গণ্ডা নয়, কম করে একশটা পুরুষ ওদের পেটের থলিতে থাকে। না, আজগুবি নয়, একেবারে বাস্তব ঘটনা।

সাগরতলায় রঙবাহারি পুঞ্জীভূত প্রবাল - স্পঞ্জের বাগানে দু-একটি এমন জিনিস রয়েছে যাকে দীপাধার ও দীপের সঙ্গে তুলনা করা যায়। লম্বা একটা দণ্ডের মাথায় দুদিকে প্রসারিত দুটি প্রদীপ কিংবা দুটি লম্বাটে ধরনের পাতা। প্রাণী বলে আদৌ মনে না হলেও প্রাণী। দণ্ডটাকে প্রাণীটির গলা এবং পাতা দুটিকে তাদের শুঁড় বা বাহু বলে ধরা হয়। গলাটা বিজ্ঞানের পরিভাষায় প্রোবেসিস। গলার একেবারে তলায় থাকে মুখগহ্বর। মুখগহ্বরের নিচে দেহের সমূহ অংশ প্রবাল পাথরের ভেতরে ঢুকিয়ে পড়ে থাকে। ইচ্ছেমতো গলাটাকে বাঁকাতে পারে, একেবারে কাত করে দিতে পারে এবং খাড়াভাবেও রাখতে পারে। বেশিরভাগ সময় প্রবাল স্তূপের গায়ে গলাটাকে এলিয়ে দেয়। মাথায় প্রদীপের মতো হোক অথবা পাতার মতো হোক - দুটি প্রত্যঙ্গ শিকার ধরার হাতিয়ার। মূল দেহটাকে ভুঁই কুমড়ার সাথে তুলনা করা যেতে পারে। মোটা ও কিছুটা লম্বাটে ধরনের। জেগে থাকে মুখগহ্বর, লম্বা গলা এবং গলার মাথায় দুদিকে প্রসারিত দুটি বাহু। গলাটা প্রায় হাত দুয়েকের মতো লম্বা। পাতা বা প্রদীপের মতো বাহু দুটিতে তেল নেই, সলতেও নেই। শুধু বিষাক্ত রসে ভরা। সাগর শশার মতো উপরে জেগে থাকা দণ্ডটি থেকেও সব সময় নির্গত হয় বিষাক্ত রস। পাথরে প্রোথিত দেহটাও সাগর শশাদের মতো। প্রোথিত অংশ থেকে বিষ ঝরে না। কণ্টকত্বকী প্রাণীও এরা নয়। সাগরজলে ভেসে আসা ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র খাদ্যকণা লম্বা গলা বা বাহুতে লেগে গেলেই আটকে যায় এবং বিষক্রিয়ায় মারা যায়। সেইগুলোকে বাহুর সাহায্যে মুখগহ্বরে পাঠিয়ে দেয়। মজার কথা, দণ্ডের মতো গলাটাকেও ইচ্ছেমতো ছোটোবড়ো করতে পারে। খাদ্য দণ্ডের গায়ে আটকালেও দণ্ডকে সঙ্কুচিত করে মুখগহ্বরে চালান দিতে অসুবিধা হয় না।

121. গদ্যাংশটির মূল বিষয় -

(1) সমাজবিজ্ঞান ভিত্তিক (2) ভৌতবিজ্ঞান ভিত্তিক

(3) জীববিজ্ঞান ভিত্তিক (4) রসায়নবিজ্ঞান ভিত্তিক

122. পুঞ্জীভূত শব্দটির অর্থ কী ?

(1) ছড়িয়ে যাওয়া (2) জমে থাকা (3) ভেসে থাকা (4) ক্ষয়ে যাওয়া

123. নিম্নে প্রদত্ত **তালিকা 1** এবং **তালিকা 2** মিলিয়ে সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন।

	তালিকা - 1		**তালিকা - 2**
(ক)	ডাইনীরা	(i)	কচিকাচাদের উদরস্থ করে তাদের পুরুষ বানিয়ে ফেলে
(খ)	স্ত্রী অ্যাংলা	(ii)	সন্তানসম্ভবা হলেই পুরুষটাকে খেয়ে ফেলে
(গ)	স্ত্রী মাকড়সা	(iii)	মায়ার দ্বারা পুরুষদের মগজ ধোলাই করে তাদের অনুগত করে রাখে
(ঘ)	স্ত্রী সাগর সেজ	(iv)	মরে গেলে তাদের পেটের মধ্যে ঝুলে থাকা পুরুষগুলোকেও মরতে হয়

সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন।

(1) (ক) - (iii), (খ) - (iv), (গ) - (ii), (ঘ) - (i)

(2) (ক) - (iv), (খ) - (iii), (গ) - (i), (ঘ) - (ii)

(3) (ক) - (ii), (খ) - (i), (গ) - (iv), (ঘ) - (iii)

(4) (ক) - (i), (খ) - (iv), (গ) - (iii), (ঘ) - (ii)

124. এখানে কাকে জাদুকরি বলা হয়েছে ?

(1) সাগরের আলো-আঁধারির বাসিন্দা স্ত্রী অ্যাংলাদের

(2) কামরূপের ডাইনীদের

(3) বিশেষ প্রজাতির ব্যাঙকে

(4) দীপের মতো দেখতে সাগরতলার বাসিন্দাদের

125. সাগর সেজের গলার বৈশিষ্ট্য বর্ণনায় নিচের কোন মন্তব্যটি সত্য নয় ?

(1) গলাটি ছোট-বড়ো করতে পারে।

(2) গলাটি প্রবাল পাথরের ভিতরে ঢুকিয়ে রাখে।

(3) গলাটি বেশির ভাগ প্রবাল স্তূপের গায়ে এলিয়ে রাখে।

(4) গলাটি হাত দুয়েক লম্বা।

126. প্রদত্ত গদ্যাংশটিতে ব্যবহৃত শব্দগুলির নিচের কোন জোড়টি বিপরীতার্থক শব্দজোড় ?

(1) উদ্ভট - আজগুবি (2) বিযাক্ত - প্রোথিত (3) প্রসারিত - সঙ্কুচিত (4) প্রত্যঙ্গ - উদরস্থ

127. প্রোবেসিস কী ?

(1) সাগর দীপের মূলদেহ (2) সাগর দীপের দীপাধার

(3) সাগর দীপের পাতা (4) সাগর দীপের গলা

128. 'নিগৃহীতা' - এর বিশেষ্য রূপ কোনটি ?

(1) নিগূঢ় (2) নিগৃহীত (3) নিগ্রহ (4) নিগীর্ণ

নির্দেশ ঃ নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (129 থেকে 135 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

সকাল থেকেই বৃষ্টি শুরু হয়েছে। ঝিরঝিরে বৃষ্টি। মাঝে মাঝে থেমে যায়, কিন্তু আকাশ পরিষ্কার হয় না। এরকমভাবে সারাদিন চলার পর সন্ধের সময় থেকে একেবারে দুর্যোগ শুরু হলো।

এইসব দিনে বাড়ি থেকে বেরুতে ইচ্ছে করে না। শুয়ে বসে আলস্য করার দিন। তবু, এই সব দিনেও চুরি-ডাকাতি-মারামারি হয়, থানায় লোকজন আসার বিরাম থাকে না।

এ তল্লাটে এখনো বিজলী বাতি আসে নি, দুটো হারিকেন জ্বলছে টেবিলে, মাঝে মাঝেই হাওয়ার দাপটে সে দুটোর নিভু নিভু অবস্থা।

রহমান সাহেব বললেন, এই দরজা জানলা সব বন্ধ করে দে।

তারপর রহমান সাহেব ডাইরী বইটা সরিয়ে রেখে টেবিলের ওপর পা তুলে দিলেন। কোমরে বেল্ট আলগা করে দিয়ে বললেন, যথেষ্ট কাজ হয়েছে। আর পারি না ! এই আলি, আলি, মুড়ি কিনে নিয়ে আয় তো !

আলির চেহারা রোগা চিমসে মতন, বয়েস বোঝা যায় না - তিরিশও হতে পারে, পঞ্চাশও হতে পারে। কোনো রকম হুকুম শুনলেই সে অতি ব্যস্ত হয়ে দৌড়ো-দৌড়ি শুরু করে।

আলি এসে দারোগা সাহেবের টেবিলের সামনে দাঁড়ালো।

রহমান সাহেব বিশাল চেহারার পুরুষ। টকটকে ফর্সা রং, নাকের নিচে পুরুষ্ট গোঁফ। কথা বলেন বাজখাঁই গলায়। কিন্তু মানুষটি ভালো। সাধারণ লোক এসেও রহমান সাহেবের কাছে প্রাণ খুলে কথা বলতে পারে।

রহমান সাহেব পকেট থেকে একটা টাকা বার করে দিয়ে বললেন, আট আনার মুড়ি নিয়ে আয় আর আট আনার তেলেভাজা। তেলেভাজা গরম দেখে আনবি ! গরম যদি না পাস তো দাঁড়িয়ে থেকে ভাজিয়ে আনবি। বুঝলি ?

আলি হাত জোড় করে বললো, জী।

রহমান সাহেব হাসিমুখে বললেন, দশ মিনিটের বেশী সময় লাগলে তোর গর্দান নোব। যা, দৌড়ে যা। ছাতা নিয়ে যাবি -

আলি চলে যাবার পর রহমান সাহেব অন্যমনস্কভাবে পা নাচাতে লাগলেন। এস আই ধীরেন সাহা তিনদিন ধরে জ্বরে পড়ে আছে। লিটারেট কনস্টেবল জগদীশ ত্রিপাঠী ট্রান্সফার হয়ে যাওয়ার পর এখনো নতুন লোক আসে নি।

ক'দিন ধরে থানার সব কাজ রহমান সাহেবকে একা সামলাতে হচ্ছে।

টেবিলের ওপাশে বেঞ্চে জনাপাঁচেক ছিঁচকে চোর, দাঙ্গাবাজ আর দালাল বসে আছে চুপ করে। এরা সবাই জানে - এখন দারোগা সাহেবের খিদে পেয়েছে, এখন বিরক্ত করা ঠিক নয়।

কনস্টেবল হরনাথ আর সিদ্দিকী থানার দরজার সামনে দাঁড়িয়ে খৈনি বিনিময় করছে। হরনাথের আজ নাইট ডিউটি, সিদ্দিকীর এখন ছুটি হবার প্রায় সময় হলো। কিন্তু দারোগা সাহেব মুড়ি কিনতে পাঠানোয় সে আরও কিছুক্ষণ থেকে যেতে চায়। আলি বেশ তাড়াতাড়িই এসে পড়েছে। টেবিলের ওপর খবরের কাগজ বিছিয়ে তার ওপর মুড়ি ঢাললো। গরম গরম আলুর বড়া এনেছে।

রহমান সাহেব এক মুঠো মুড়ি গালে ফেলে বললেন, কাঁচা মরিচ কই ? মরিচ আনিস নি ?

আলি বললো, জী না।

রহমান সাহেব ধমকে বললেন তোর বুদ্ধিশুদ্ধি কবে হবে, অ্যাঁ ? কাঁচা মরিচ ছাড়া মুড়ি খাওয়া যায় ? যা, কাঁচা মরিচ নিয়ে আয় !

আলি আবার দৌড়ে গেল।

রহমান সাহেব বললেন, কই হে হরনাথ, সিদ্দিকী - এসো এদিকে, নাও -

চোর-ছ্যাঁচোড় দালালরা সামনের টুলে নিঃশব্দে বসে আছে। রহমান সাহেব সেদিকে একবার তাকালেন। তিনি ভদ্রলোক, অন্যদের সামনে একা একা খেতে পারেন না। বললেন ও হরনাথ, ওদেরও দাও এক মুঠো করে। অনেকক্ষণ ধরে বসে আছে -

129. 'বাজখাঁই গলা' - বলতে বোঝায় -

(1) অত্যন্ত কর্কশ স্বর (2) অত্যন্ত কোমল স্বর

(3) অত্যন্ত মিষ্টি স্বর (4) অত্যন্ত নীচু স্বর

130. রহমান সাহেব সম্পর্কে কোন বিবৃতিটি সত্য নয় ?

(1) নিজে খেতে ভালবাসেন, কিন্তু কাউকে খাবারের ভাগ দিতে চান না।

(2) তিনি উদার মনের ও খাদ্য রসিক।

(3) তিনি সুপুরুষ ও ভালো মনের মানুষ।

(4) নিজে খেতে ভালবাসেন এবং অপরকে খাওয়াতেও ভালবাসেন।

131. গদ্যাংশটির পটভূমি কী ?

(1) মুড়ি-চপের দোকান (2) রহমানের বাড়ি (3) আলির বাড়ি (4) পুলিশ স্টেশন

132. আজ সারাদিন কনস্টেবলের ডিউটি কে করেছে ?

(1) জগদীশ (2) আলি (3) সিদ্দিকি (4) হরনাথ

133. "তারপর রহমান সাহেব ডাইরী বইটা সরিয়ে রেখে টেবিলের উপর পা তুলে দিলেন" -
বাক্যটিকে সাধুভাষায় রূপান্তরিত করলে সঠিক রূপটি হবে -

(1) তারপর রহমান সাহেব ডাইরী বইটি সরাইয়া রেখে টেবিলের উপর পা তুলিয়া দিলেন।

(2) তাহার পর রহমান সাহেব ডাইরী বইটি সরাইয়া রাখিয়া টেবিলের উপর পা তুলে দিলেন।

(3) তারপর রহমান সাহেব ডাইরী বইটি সরিয়ে রেখে টেবিলের উপর পা তুলিয়া দিলেন।

(4) তাহার পর রহমান সাহেব ডাইরী বইটি সরাইয়া রাখিয়া টেবিলের উপর পা তুলিয়া দিলেন।

134. পেশা ও পটভূমির পরিপ্রেক্ষিতে রহমানের চরিত্রে কীসের অভাব লক্ষণীয় ?

(1) অধস্তনদের প্রতি স্নেহপ্রবণতা (2) কর্তব্য সম্পর্কে সচেতনতা

(3) কর্তব্য সম্পর্কে ঔদাসীন্যতা (4) ভোজনে স্পৃহা

135. "টেবিলের ওপর খবরের কাগজ বিছিয়ে তার ওপর মুড়ি ঢাললো" -
কোন শ্রেণীর বাক্যের উদাহরণ ?

(1) মিশ্র (2) সরল (3) জটিল (4) যৌগিক

নির্দেশ ঃ নীচের প্রশ্নগুলির (136 থেকে 150 নম্বর প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তরটি নির্বাচন করুন।

136. শিক্ষিকার দেওয়া আদর্শ বাক্যগুলি বার বার বলে শিক্ষার্থীরা ভাষার ধরণ আয়ত্ব করবে। তারা প্রস্তুত অর্থযুক্ত শব্দগুচ্ছ মুখস্থ করবে এবং যখন তারা সঠিক অভ্যাস প্রদর্শন করবে তখন শিক্ষিকার থেকে ইতিবাচক প্রোৎসাহন গ্রহণ করবে। শিক্ষক কী ব্যবহার করেন ?

(1) গঠনমূলক আবেদন।
(2) শ্রাব্য-ভাষাতাত্ত্বিক পদ্ধতি।
(3) সংযোগকারী আবেদন।
(4) সমগ্র শারীরিক প্রতিক্রিয়া।

137. একটি উত্তম বাচনমূলক প্রক্রিয়া হল সেটি যেখানে -

(1) স্পষ্টবাদী ছাত্রদের অংশগ্রহণই সর্বাধিক।
(2) শিক্ষকরা অধিক ব্যাখ্যা করেন।
(3) শিক্ষার্থীরা অধিক শোনে।
(4) শিক্ষার্থীরা অধিক বলে।

138. যদি শিশুরা তাদের চারপাশে দুটি ভাষায় কথা বলতে শোনে, দুটি ভাষার প্রকাশ -

(1) তাদের বোঝার সময় বিভ্রান্তির সৃষ্টি হবে।
(2) শিশুদের অসুবিধায় ফেলবে।
(3) শিশুদের সুবিধা করে দেবে।
(4) কোনো পার্থক্য সৃষ্টি হবে না।

139. একজন কীভাবে দ্বিতীয় ভাষা সবচেয়ে ভালভাবে শিখতে পারে ?

(1) লক্ষ্য ভাষার বাচন কার্য প্রণালীতে (speaking course) যোগদান করে।
(2) একটি শ্রেণীকক্ষে যেখানে তুমি ব্যাকরণের উপর গুরুত্ব দিতে পারবে এবং শিক্ষকের থেকে সাহায্য নিতে পারবে।
(3) তাদের নিজস্ব এলাকায় স্থানীয় বক্তার সঙ্গে লাগাতার সংযোগ সাধনের মাধ্যমে।
(4) শ্রাব্য-ভাষাতাত্ত্বিক পদ্ধতির মতো সংলাপগুলি বার বার বলে এবং অভ্যাস করে।

140. "ভাষা শিখন একটি নিবিড় পদ্ধতি (intensive process) যা জন্ম থেকে শুরু হয় এবং সারা জীবন চলতে থাকে।"

উপরোক্ত বক্তব্যটির সাথে তুমি একমত অথবা একমত নও ?

(1) আমি অংশতঃ এই বক্তব্যের সাথে একমত নই।
(2) আমি এই বক্তব্যের সাথে একমত।
(3) আমি এই বক্তব্যের সাথে একমত নই।
(4) আমি অংশতঃ এই বক্তব্যের সাথে একমত।

141. পড়ার সময় শিখনের ক্ষেত্রে চ্যালেঞ্জ হল উৎসাহিত করা এবং শিশুদের ভালো সাহিত্য খুঁজে বের করা।
এই চ্যালেঞ্জকে সামলানোর জন্য -

(1) স্কুল কর্তৃপক্ষ শিক্ষকদের অবশ্যই বইমেলায় নিয়ে যাবেন তাদের বই পড়ায় উৎসাহ ও আগ্রহ বাড়িয়ে তোলার জন্য।

(2) শিক্ষক তাদের গৃহকার্য হিসেবে প্রতিদিন একটি বই পড়তে উৎসাহিত করবেন।

(3) বাড়িতে একটি ছোট লাইব্রেরি স্থাপনে অভিভাবকদের উৎসাহ দেবেন।

(4) পঠনে উৎসাহিত করতে এবং আগ্রহ বাড়িয়ে তুলতে শিশুসাহিত্য সহজলভ্য হবে।

142. একজন শিক্ষক পঞ্চম শ্রেণীর শিক্ষার্থীদের একটি গল্প তাড়াতাড়ি পড়তে বললেন এবং পর্যায়ক্রমে চারটি চিত্র রাখলেন। এই প্রক্রিয়াটির উদ্দেশ্য হল -

(1) গল্পটির নূতন এবং কঠিন শব্দতালিকা পুণরায় পড়া।

(2) চিত্রকার্ডের ব্যবস্থা করা।

(3) সারমর্মের জন্য তাদের পঠনে অভ্যাস প্রদান।

(4) বিশেষ তথ্যের জন্য তাদের পঠনে অভ্যাস প্রদান।

143. সমগ্রভাষা আবেদন হল -

(1) ধ্বনি-সংকেত সম্পর্কিত সিদ্ধান্ত গ্রহণ

(2) অর্থ ভিত্তিক (meaning based)

(3) দক্ষতা ভিত্তিক (skill based)

(4) শব্দের সংমিশ্রণ (blending sounds)

144. গঠনমূলক স্তরে মূল্যায়নগত উপাদান ও পদ্ধতির পরিকল্পনা এমনভাবে হওয়া উচিত যাতে -

(1) সমস্ত শিক্ষার্থীদের দক্ষতার মূল্যায়নে শিক্ষিকা একই পদ্ধতি ব্যবহার করতে পারেন।

(2) সহজবোধ্য অভীক্ষা এবং পরীক্ষা শিক্ষার্থীর উপযোগী হয়।

(3) শিশুর পঠন অভিজ্ঞতার সহজাত বৃদ্ধি ঘটে।

(4) সামগ্রিক শ্রেণীভিত্তিক প্রদর্শনের সাথে শিক্ষার্থীর উন্নতির বর্ণনা এবং বিশ্লেষণ করা উচিত।

145. শিশুর জ্ঞানাত্মক বিকাশ এবং ভাষা হলো -

(1) যেখানে শিশুরা বসবাস করে সেখানের সংস্কৃতি এবং জনজাতির সঙ্গে গভীরভাবে সম্পর্কিত।

(2) সংযোগশীল উদ্দীপক প্রতিক্রিয়া এবং অনুকরণ পদ্ধতির সঙ্গে সম্পর্কিত।

(3) যেটি একজন ব্যক্তি ভাষা আয়ত্বকরণের একটি যন্ত্র নিয়ে জন্মগ্রহণ করে।

(4) বিকাশ যা কোনো কিছুর সাথে সম্পর্কিত নয়।

146. এই পঠনটির একটি নির্দিষ্ট শিখনগত উদ্দেশ্য এবং কার্য রয়েছে, শিক্ষার্থীদের এই পাঠটি বিস্তারিতভাবে মনোযোগ সহকারে এবং বিশেষ যত্ন নিয়ে পড়া উচিত। এটি হল -

(1) সুখ পাঠ (Pleasure Reading)
(2) বিস্তৃত পাঠ (Extensive Reading)
(3) নিবিড় পাঠ (Intensive Reading)
(4) নির্দেশিত পাঠ (Guided Reading)

147. পাঠের শুরুতে, একজন শিক্ষক শ্রেণীটিকে বিভিন্ন দলে ভাগ করলেন এবং সংবাদপত্রের একটি আকর্ষণীয় প্রতিবেদন সম্পর্কে তাদের আলোচনা করতে বললেন যেটি সে তখনই পড়েছে। এই ধরণের বাচন ক্রিয়ার উদ্দেশ্য হল -

(1) সক্রিয় শ্রবণ
(2) মৌখিক সাবলীলতা অভ্যাস
(3) মৌখিক অভ্যাস নিয়ন্ত্রণ
(4) নির্দেশিত মৌখিক অভ্যাস

148. প্রাথমিক স্তরে পঠন দক্ষতা মূল্যায়নের ক্ষেত্রে একজন ভাষা শিক্ষকের সর্বাধিক গুরুত্ব দেওয়া উচিত -

(1) বোধমূলক পঠনে।
(2) বর্ণমালার অক্ষরগুলি শনাক্তকরণে।
(3) বিরামচিহ্নের ব্যবহারে।
(4) সঠিক গতিতে পঠনে।

149. শিক্ষার্থীরা ব্যাকরণের নিয়মগুলো এবং শব্দতালিকা মুখস্থ করছে এবং তাদের মাতৃভাষায় অধিক সংখ্যক কাজ করছে। শিক্ষকের দ্বারা তাঁর ভাষা শ্রেণীতে কোন পদ্ধতিটি ব্যবহৃত হবে ?

(1) ব্যাকরণ অনুবাদ
(2) প্রত্যক্ষ পদ্ধতি
(3) সহজাত আবেদন
(4) সংযোগকারী শিক্ষণ

150. মুদ্রিত বইয়ের সাথে শ্রবণভিত্তিক বই এবং ছোট শিশুদের কুশলতার সামর্থ্য সম্পর্কিত বই, শ্রেণীকক্ষের একটি আবশ্যিক উপাদান হওয়া উচিত। কারণ -

(1) এই বইগুলি একজন শিক্ষককে অতিরিক্ত গুরুদায়িত্ব প্রদান করে না।
(2) এটি শ্রেণীতে বৈচিত্র্য আনে এবং শিশুরা বৈচিত্র্য পছন্দ করে।
(3) এটি শিক্ষকদের মূল্যায়নের ক্ষেত্রে বিভিন্ন বই ব্যবহারে স্বাধীনতা দেয়।
(4) এটি শিক্ষার্থীদের মধ্যে বৈচিত্র্য আনার জন্য বইগুলিকে আরও বেশি সহজলভ্য করে।

- o O o -

www.prepp.in

SPACE FOR ROUGH WORK

নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. বিভিন্ন ধরণের প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের জন্য যে নির্দেশ পরীক্ষা পুস্তিকায় দেওয়া রয়েছে, প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের পূর্বে তা মনোযোগ সহকারে পড়ুন।
2. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে (OMR) উত্তর পত্রে কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই নীল / কালো বল পয়েন্ট পেন দিয়ে ভরাট করতে হবে। একবার উত্তর চিহ্নিত করণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না।
3. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবে না, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না। পরীক্ষার্থী তার ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না।
4. পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন। কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা পুস্তিকা দেওয়া হবে না। শুধুমাত্র পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে।
5. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা পুস্তিকা/উত্তর পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন।
6. মেশিন কেবলমাত্র উত্তরপত্রে (OMR) দেওয়া সংকেতই পড়তে পারবে। তাই কোনো তথ্য অসম্পূর্ণ রাখা চলবে না এবং প্রবেশপত্রে প্রদত্ত তথ্যের সাথে তার কোন পার্থক্য থাকবে না।
7. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিক উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না।
8. মোবাইল, বেতার যোগাযোগ মাধ্যম (এমনকী নিষ্ক্রিয় করে রাখা মোবাইল) এবং অন্যান্য নিষিদ্ধ বৈদ্যুতিক উপকরণ পরীক্ষা হলে আনা চলবে না। পরীক্ষার্থী এই নির্দেশ পালন না করলে তাকে অন্যায় আচরণ হিসেবে গণ্য করা হবে এবং যে কোনো ব্যবস্থা নেওয়া হবে এমনকী তার পরীক্ষা বাতিল করাও যেতে পারে।
9. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তার প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন।
10. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তার আসন ছেড়ে উঠবেন না।
11. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল্ থেকে বেরোবেন না। যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর পত্র জমা করেন নি - এবং ব্যাপারটিকে দন্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে। **পরীক্ষার্থীরা তাদের বাম হাতের বুড়ো আঙ্গুলের ছাপ হাজিরা পত্রে দেওয়া স্থানে অবশ্য লাগান।**
12. ইলেক্ট্রনিক/ হস্তচালিত ক্যালকুলেটর ব্যবহার নিষিদ্ধ।
13. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য। কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ী সম্পন্ন হবে।
14. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা পুস্তিকা ও উত্তর পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না।
15. **পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-কক্ষ ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর পত্রটি অবশ্যই কক্ষ-নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন। পরীক্ষা পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই - পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন।**

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***